दृष्टि The Vision

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(भू-आकृति विज्ञान, समुद्र विज्ञान, मानव भूगोल में संदर्श, मॉडल, सिद्धांत एवं नियम और जैव भूगोल)

8 Test

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–**G1**

Name: सुनिल कुमार धनवन्ता

Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): हिन्दी

Reg. Number:

Center & Date: 21 जून, 2019

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिये जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	5	6.5	6.5	7	5.5	30.5	5	4	6	0	4.5	0	14.5
2	8.5	12	9.5			30.00	6	9.5	11	10			30.5
3							7	9	5	8.5			22.5
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							128

(124)

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
   Answer the following in about 150 words each:

   (a) फियोर्ड स्थलाकृति क्या है? इनकी उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों की संक्षिप्त चर्चा कीजिये।
   What are Fjords topography? Briefly discuss various opinions about their evolution.

फियोर्ड एक तटीय स्थलाकृति है जो मुख्य रूप से शीत क्षेत्रों में पाई जाती है तथा जिसका निर्माण बर्फ के पिघलने से होता है

यह एक खाई की तरह होती है जो महाद्वीप और महासागर को जोड़ती है यह मुख्य रूप से नार्वेजियन देशों, ग्रीनलैण्ड इत्यादि स्थानों पर पाई जाती है

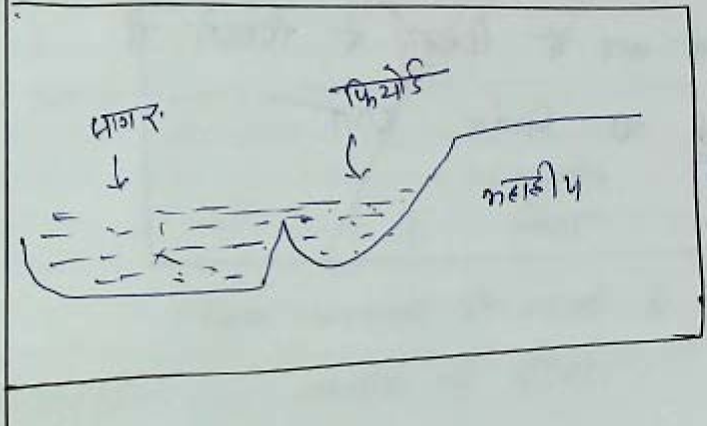

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निर्माण के प्रमुख मत.

→ प्लीस्टोसीन काल में बर्फ के जमने के बाद खाई का निर्माण तथा उसके बाद खाई में बर्फ ~~का निर्माण~~ के पिघलने से फियोर्ड का निर्माण हुआ।

शब्दावली एवं विश्लेषण पक्ष पर ध्यान दें।

→ समुद्री तरंगों द्वारा अपरदन से खाई का निर्माण

→ अंशत: व विवर्तनिकी क्रियाओं द्वारा खाई का निर्माण बाद में हिमनद के पिघलने से फियोर्ड का निर्माण हुआ

5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) महासागरों में "हैलोक्लाइन ज़ोन" से क्या तात्पर्य है? क्या महासागरों में गहराई के साथ-साथ लवणता में परिवर्तन का कोई निश्चित नियम है?

What is "Halocline zone" in the oceans? Is there any definite rule behind variation in salinity with respect to depth of oceans?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

महासागर की सतह (sea level) के नीचे वह जोन जहां समुद्री लवणता में गिरावट देखने को मिलती है उसे हैलोक्लाइन जोन कहा जाता है। सामान्यत: यह 500 मी. से 2000 मी. के बीच पाया जाता है।

लवणता में तीव्र परिवर्तन लिखना उचित होगा।

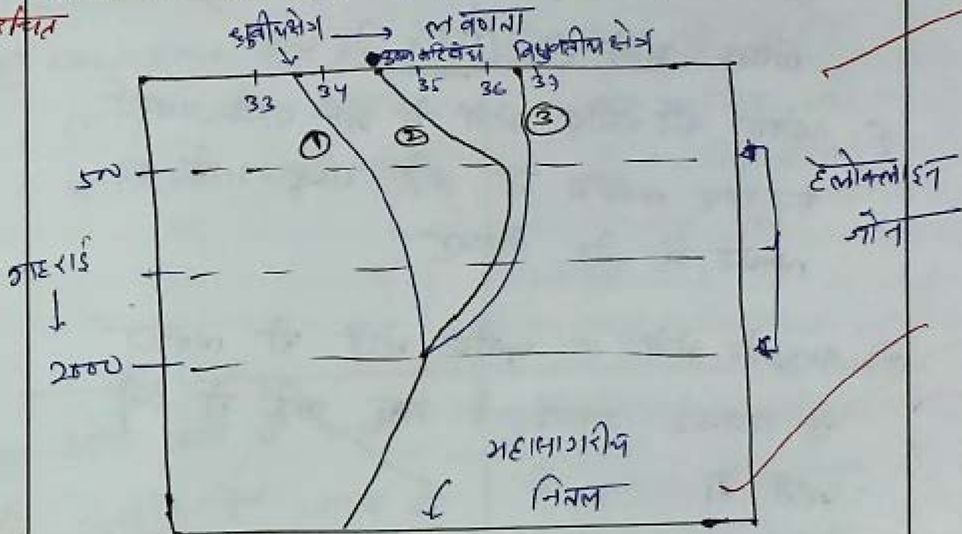

चित्र: महासागर की गहराई के साथ लवणता में परिवर्तन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महासागर में गहराई के साथ साथ लवणता परिवर्तन के लिए किसी निश्चित सिद्धांत का प्रतिपादन नहीं किया जा सकता है। परन्तु कुछ सिद्धांत निम्नलिखित हैं:-

(i) विषुवतीय क्षेत्रों में कुछ गहराई तक पहले लवणता में वृद्धि होती है फिर उसके बाद गिरावट आती है। (ग्राफ 1)

(ii) उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में भी, पहले गहराई के साथ लवणता में वृद्धि परन्तु उसके बाद लवणता में तीव्र गिरावट

(iii) उपध्रुवीय क्षेत्रों व ध्रुवीय क्षेत्रों की लवणता में सामान्यतः गहराई के साथ वृद्धि ही देखी जाती है।

(iv) महासागरीय नितल पर सभी अक्षांशों की लवणता समान होती है।

6.5

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) एयरी व प्रॉट की भू-संतुलन संबंधी अवधारणाओं में विभेद कीजिये।

Discuss the differences between Airy and Pratt's concepts of geoisostacy.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के ऊपर उठे भागों व नीचे धँसे भागों के बीच व्याप्त यांत्रिक संतुलन को भू-संतुलन कहते है

एयरी की अवधारणा	प्राट की अवधारणा
① SIAL, SIMA पर तैर रहा है अर्थात तैरान के सिद्धांत को मान्यता	① तैरान के सिद्धांत को मान्यता नहीं दी (आधिक प्रतिरोध के सिद्धांत को मान्यता दी)
② इन्होंने पृथ्वी के सभी भूभागों के घनत्व को समान माना तथा उनकी गहराई को अलग-अलग माना	② पृथ्वी के भूभागों के घनत्व को अलग-अलग माना जबकि गहराई को एक समान माना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2'

Bigger the column, more depth अर्थात जितना ~~ऊँ~~ ऊँचा खण्ड उतनी गहराई भी उतनी ज्यादा

4. ~~गई [illegible]~~ उत्प्लावन बल में विस्थापन

5. प्रयोग

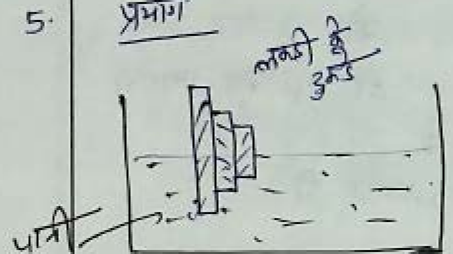

Bigger the column, lesser the density अर्थात जितना ऊँचा खण्ड उतना घनत्व उतना ही कम

4. विस्थापन नहीं (क्षतिपूर्ति तल में विस्थापन)

5. प्रयोग

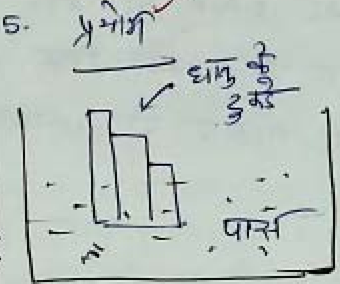

6.5

एक संक्षिप्त निष्कर्ष दिया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) मृदा परिच्छेदिका को परिभाषित करें तथा बताएँ कि क्यों ऊपरी मृदा अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है?

Define soil profile and explain why top soil is of utmost importance?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी की सतह तथा आधार चट्टान के बीच मृदा के उर्ध्वाधर काट को परिलक्षित रूप से मृदा की परिच्छेदिका कहा जाता है

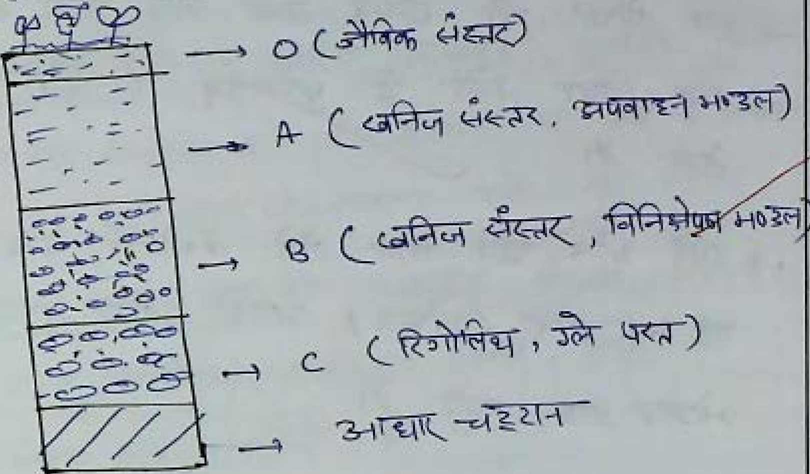

चित्र: मृदा परिच्छेदिका

मृदा मुख्यत: दो प्रकार की होती है

- ऊपरी मृदा (top soil)
- उपमृदा (subsoil)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ऊपरी मृदा में मुख्य रूप से जैविक पदार्थ व खनिज संस्तर को शामिल किया जाता है।

महत्व

→ यह पौधों को पोषक तत्व प्रदान करती है तथा पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण में सहायक होती है।

→ इसमें अनेक छोटे जीव जैसे बैक्टीरिया, कवक व अन्य जीव (इकेन्ट्स) अपना आश्रय व भोजन प्राप्त करते हैं।

→ फसलों के उत्पादन में सहायक → खाद्य सुरक्षा

→ भूमिगत जल प्रदूषण से रोकथाम

good

7

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) विश्व में वनस्पति के वितरण के लिये कौन-से कारक महत्त्वपूर्ण हैं?

Which factors are important for the distribution of vegetation across the globe?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विश्व में वनस्पति का वितरण असमान है जिसके लिए अनेक कारक जिम्मेदार है। उनमें से प्रमुख निम्नलिखित है।

(i) जलवायु कारक- आर्द्रता, तापमान, धूपीदिन, वर्षा
→ जैसे विषुवतीय वनों में तापमान व वर्षा के अधिक होने के कारण सदाबहार वनों का विकास

(ii) मृदा कारक- मृदा की पारगम्यता, रंध्रता, संरचना, गठन (texture), जलधारण क्षमता, मृदा के पोषक तत्व, खनिजों की मात्रा

(iii) मानवीय कारक- मानव द्वारा वनों का कटाव, बीजों का बिखराव, ~~इत्यादि~~ वनाग्नि इत्यादि

(iv) जैविक कारक- जीवों द्वारा बीजों का विसरण, परागण, इत्यादि

(v) विवर्तनिकी कारक- दो भूखण्डों के अलग-अलग

समुद्र तल से ऊँचाई तथा पवन प्रक्रिया का भी वर्णन करना बेहतर होगा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5.5

हो जाने से वहां की वनस्पति में काफी बदलाव आता है। जैसे जब भारत अफ्रीका से संलग्न था तो वनस्पति दोनों स्थानों की काफी समान थी परन्तु ~~अलग~~ होने के पश्चात काफी अलग हो चुकी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. (a) "पृथ्वी की सतह पर वर्तमान में विद्यमान अधिकतम भू-आकृतिक विशिष्टताएँ प्लीस्टोसीन काल से उद्धृत हैं।" व्याख्या कीजिये। 15

"Most of the geomorphic features on the surface of earth today belong to Pleistocene period". Elaborate. 15

प्रो॰ थार्नबरी महोदय ने कहा है कि प्लीस्टोसीन काल की भूआकृतियों के अध्ययन के बिना वर्तमान भू-आकृतियों के विकास का अध्ययन अधूरा होगा। इस कथन से प्लीस्टोसीन काल की भू आकृतियों का महत्व ज्ञात होता है

पृथ्वी पर प्लीस्टोसीन काल की अनेक स्थलाकृतियां मौजूद हैं जो इस प्रकार है-

(i) भारतीय उत्तर का विशाल मैदान - हिमालय की नदियों से लाए गए अवसादों के निरंतर जमाव के कारण इस विशाल मैदान का निर्माण हुआ जो सिन्धु नदी से लेकर बंगाल और ब्रह्मपुत्र के मैदान तक विस्तृत है

(ii) 'मरे' ने कहा है कि प्लीस्टोसीन काल के हिमयुग के कारण महासागरों में ~~[illegible]~~ प्लेटफार्म का निर्माण हुआ जिसमें बाद में

प्लीस्टोसीन काल की अवधि तथा हिमयुग का आगमन एवं प्रस्थान का संक्षिप्त वर्णन करने से उत्तर और बेहतर हो सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रवाल भित्ति का उद्भव माना जाता है।

(iii) थार का मरुस्थल - पहले यहां पर एक समुद्र व्याप्त था जिसके बाद धीरे-धीरे जलवायु परिवर्तन के कारण थार के मरुस्थल का निर्माण हुआ।

(iv) भारतीय तटों का निर्माण भी प्लीस्टोसीन युग की देन माना जाता है।

(v) इसी के साथ हिमालय की बाहरी श्रृंखलाओं का निर्माण भी इसी काल का माना जाता है।

(vi) पृथ्वी पर स्थित अनेक 'फियोर्ड' का निर्माण भी इसी काल का माना जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(viii) मध्य अटलांटिक कटक का निर्माण भी विद्वानों द्वारा इसी युग का माना जाता है।

इसलिए स्पष्ट है कि पृथ्वी पर अनेक स्थलाकृतियों का निर्माण प्लीस्टोसीन काल की देन है जिसकी अपनी विशिष्टता है।

8.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) ज्वालामुखियों का वैश्विक वितरण स्पष्ट करते हुए समझाएँ कि किस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ज्वालामुखीयता की व्याख्या करता है। 20

Giving an account of distribution of volcanoes across the globe, elucidate how plate tectonic theory explains the phenomenon of volcanism. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के आंतरिक भाग से मैग्मा का धरती की सतह पर जिस छिद्र से आगमन होता है उसे ज्वालामुखी कहते हैं। विश्व के समस्त भू-भाग पर ज्वालामुखियों का वितरण असमान है।

ज्वालामुखियों का वितरण

(1) परि-प्रशांत मेखला - यह पेटी प्रशांत महासागर के किनारों के सहारे फैली है जहां विश्व के लगभग 68% भूकंप देखने को मिलते हैं। उत्तरी अमेरिकी प्लेट तथा द. अमेरिकी प्लेट के प्रशांत महासागरीय प्लेट के टकराने से ज्वालामुखी देखने को मिलती है इसी प्रकार प्रशांत महासागरीय प्लेट के फिलिपिंस प्लेट से टकराने पर भी ज्वालामुखी देखने को मिलती है ज्वालामुखियों की अधिकता

इसे संक्षिप्त किया जा सकता था

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के कारण इस क्षेत्र को 'रिंग ऑफ फायर' की संज्ञा भी दी जाती है।

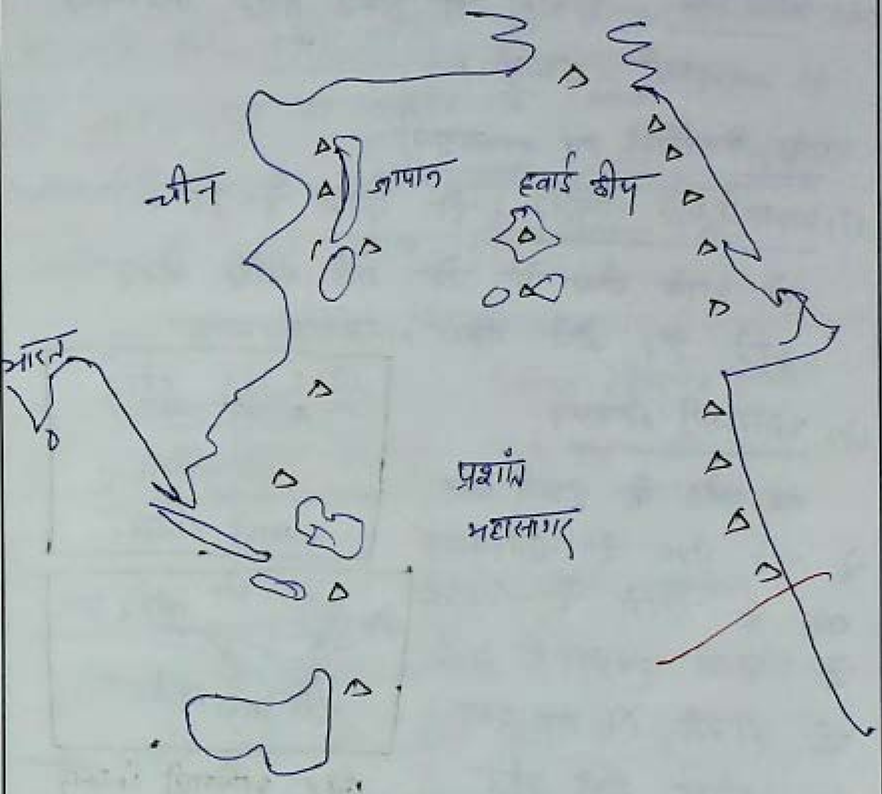

Δ- ज्वालामुखी क्षेत्र

(ii) मध्य महाद्वीपीय मेखला. इसमें आल्प्स पर्वत श्रृंखला से लेकर हिमालय तक का क्षेत्र सम्मिलित है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) मध्य अटलांटिक कटक : अटलांटिक महासागर के [struck-through] बीच में प्लेटों के अभिसरण से ज्वालामुखी देखने को मिलती है।

(iv) अन्य क्षेत्र- अफ्रीका की रिफ्ट घाटी, अंतराप्लेट ज्वालामुखी इत्यादि।

प्लेट विवर्तनिकी एवं ज्वालामुखी :

(i) अपसारी प्लेट संचलन : दो प्लेटों के दूर जाने से उसके बीच में से गर्म पदार्थ बाहर आते हैं। जैसे मध्य अटलांटिक कटक

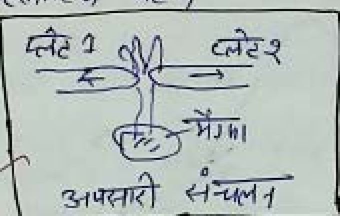

(ii) अभिसारी संचलन:
एक प्लेट की दूसरी प्लेट के नीचे क्षेपण के फलस्वरूप प्लेट के हिस्से के पिघलने के कारण ज्वालामुखी देखने को मिलती है। इस प्रकार के उदाहरण रॉकी पर्वत एवं एण्डीज पर्वत के पास देखने को मिलते हैं।

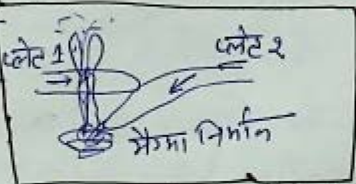

चित्र: अभिसारी संचलन

अतः स्पष्ट है कि ज्वालामुखीयता का प्लेट विवर्तनिकी के साथ गहरा संबन्ध है।

12

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) किस प्रकार ज्वार-भाटे का 'स्थिर तरंग सिद्धांत', इसके 'प्रगामी तरंग सिद्धांत' की कमियों में सुधार करता है? 15

How does 'stationary wave theory' of tide rectify the limitations of 'progressive wave theory'? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

समुद्र के जल की उर्ध्वाधर दिशा में गति को ज्वार भाटा' की संज्ञा दी जाती है। ज्वार-भाटा की उत्पत्ति के ~~सिद्ध~~ संबन्ध में अनेक विद्वानों ने अपने मत प्रतिपादित किए हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं-

(i) न्यूटन का संतुलन सिद्धांत

(ii) प्रगामी तरंग सिद्धांत - विलियम व्हेवेल व एयरी

(iii) अप्रगामी तरंग सिद्धांत - हैरी हैरी

प्रगामी तरंग सिद्धांत : इसके अनुसार सर्वप्रथम गुरुत्वाकर्षण के कारण दक्षिणी सागर में लहरों की उत्पत्ति होती है जो पृथ्वी के घूर्णन व चंद्रमा की पश्चिम से पूर्व की परिक्रमा के कारण पूर्व से पश्चिम की ओर गति करती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महाद्वीपीय तट से टकराने के पश्चात इस तरंग की दिशा उत्तर की ओर हो जाती है। जब यह तरंग तट पर पहुँचती है तो उसके श्रृंग को ज्वार तथा गर्त को भाटा की संज्ञा दी जाती है।

उत्तर-पश्चिम की ओर

परन्तु इसकी आलोचना में कहा गया कि-

(i) प्रगामी तरंग सिद्धांत के अनुसार उत्तर दिशा की ओर जाने पर तरंग की तीव्रता में कमी के कारण ज्वार की ऊंचाई में कमी आती है परन्तु संसार के सबसे ऊँचे ज्वार 'फण्डी की खाड़ी' में आते हैं।

(ii) प्रगामी तरंग सिद्धांत में बताया गया है कि एक ही देशांतर पर स्थित अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग समय पर ज्वार आते हैं परन्तु यूरोप के पश्चिमी तटों पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अनेक स्थानों पर एक ही साथ ज्वार देखने को मिलते हैं

इन्हीं कमियों को सुधारने के लिए अप्रगामी तरंग सिद्धांत में कहा गया कि ज्वार-भाटा स्थानीय परिघटना है जो जलीय स्रोत में चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से उत्पन्न दोलन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है ज्वार-भाटा की प्रकृति जल स्रोत (सागर) की गहराई, तट की आकृति इत्यादि पर निर्भर करती है। ज्यादा गहरे एवं संकरे सागर में ज्यादा ऊँचे ज्वार देखने को मिलते हैं। Ex. फंडी की खाड़ी

इस प्रकार अप्रगामी तरंग सिद्धांत ने प्रगामी तरंग सिद्धांत की अनेक बुराइयों को दूर करने का कार्य किया।

9.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) भूगोल में 'मानवतावादी उपागम' पर चर्चा से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by 'humanistic approach' in Geography?

भूगोल में मानवीय चेतना, बोध एवं विचारों को मान्यता देने वाले उपागम को मानवतावादी उपागम की संज्ञा दी जाती है।

मात्रात्मक क्रांति में केवल गणितीय व आंकड़ों के विश्लेषण पर जोर दिया गया तथा मानव के महत्व को अनदेखा किया गया जिसकी वजह से असमानता, गरीबी, शोषण, पर्यावरणीय प्रदूषण देखने को मिला। इसी के विरोध में मानवतावादी उपागम को प्रारंभ किया गया।

सर्वप्रथम भूगोलवेत्ता 'ट्रिक' ने मानवतावादी विचार व्यक्त किए जिनको यी फू तुआन ने अपने विस्तृत अध्ययन व शोध के माध्यम

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से विस्तृत व विकसित किया।

बुट्टिमर ने मानवीय क्रियाकलापों व विचारों का भौगोलिक भूदृश्य पर प्रभाव का विश्लेषण किया।

मानवतावादी भूगोल के अंतर्गत अनेक अध्ययन की पद्धतियां विकसित हुई -

1. दृश्यमान ~~विधि~~ (Phenomenal Approach)
2. आदर्शवादी विधि (Idealistic Approach)

वर्तमान में यह उपागम मानव कल्याण व सोच को भूगोल में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सफल रहा है।

प्रश्न में मानवतावादी उपागम की प्रमुख विशेषताओं की अपेक्षा की गई है

4

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वॉन थ्यूनेन के कृषि भूमि-उपयोग मॉडल की आधारभूत मान्यताओं का परीक्षण कीजिये।

Examine the basic assumptions of Von Thunen's agricultural land-use model.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वॉन थ्युनेन ने 1826 ई. में अपनी पुस्तक 'The Isolated state' में कृषि भूमि उपयोग मॉडल को प्रतिपादित किया।

उन्होंने आर्थिक लगान के सिद्धांत के आधार पर बताया कि किसी शहर के चारो ओर भूमि-उपयोग 6 मुख्य पेटियों में पाया जाता है।

1. सब्जियों, फूलों व फलों की खेती वाली पेटी
2. लकड़ी के उत्पादन की पेटी
3. गहन खाद्य उत्पादन की पेटी
4. खाद्य उत्पादन परन्तु कुछ भूमि परती वाली पेटी
5. 1/3 भाग भूमि परती के साथ कृषि वाली पेटी
6. मांस उत्पादन की पेटी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वॉनथ्यूनेन की मान्यताएं

(i) संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र समरूप व समतल है तथा सभी जगह भूमि की उत्पादकता समान है

↳ परन्तु भूमि उत्पादकता सभी जगह समान नहीं होती

(ii) परिवहन के साधन के रूप में सिर्फ घोड़ागाड़ी की मान्यता

↳ वर्तमान में परिवहन के आधुनिक साधनों की उपलब्धता

(iii) परिवहन लागत का दूरी के अनुपात में वृद्धि

↳ वर्तमान में परिवहन लागत में दूरी के अनुपात में कमी आयी है

(iv) मानव आर्थिक सोच वाला है

↳ परन्तु सर्वदा ऐसा नहीं होता।

Good

6

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) रिटर की 'विभिन्नता में एकता' की संकल्पना क्या है?

What is Ritter's theory of 'Unity in Diversity'?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

रिटर ने प्रादेशिक भूगोल के संबंध में कहा कि प्रदेशों में भिन्नताएं पायी जाती हैं परन्तु उनमें अनेक समानताएं भी पायी जाती है। जिसके कारण विभिन्नता में एकता प्रदर्शित होती है।

पूर्ण उत्तर लिखे

6

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भूगोल में हार्टशोर्न द्वारा वर्णित 'प्रादेशिक उपागम' क्या है?

What is 'regional approach' in Geography by Hartshorne?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हार्टशॉर्न ने अपनी पुस्तक 'The Nature and perspective of Geography' मे अपने सिद्धांत का प्रतिपादन किया

→ भूगोल में प्रदेश एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है तथा प्राचीन काल से ही भूगोल के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य प्रदेशों का वर्णन रहा है

→ प्रत्येक प्रदेश विशिष्ट तथा ~~आसपास के क्षेत्रों से विभिन्न होता है~~

→ प्रदेश अपने आसपास के प्रदेशों से निरंतर अंतर्क्रिया करता रहता है

→ प्रदेश में अंदर की तरफ जाने पर समरूपता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में वृद्धि जबकि बाहर की ओर जाने पर समरूपता में कमी होती है

→ केवल विभिन्नताओं पर ध्यान → समानताओं पर नहीं

→ हेटनर की संकल्पनाओं का गलत अनुवाद

भौतिक भूगोल व मानव भूगोल में द्वंद्व को नकारते हुए प्राकृतिक तथ्यों सामाजिक तथ्यों की सम्मिश्रित व्याख्या की। साथ ही मानव द्वारा प्राकृतिक दशाओं में परिवर्तन को प्रदेश के अध्ययन में महत्वपूर्ण माना

विषय वस्तु को और समृद्ध बनाने का प्रयास कीजिये।

4.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'द्वितीय जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत' से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by 'Second Demographic Transition Theory'?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जनांकिकीय संक्रमण की द्वितीय अवस्था

को द्वितीय जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत कहते हैं

विशेषताएं

→ जन्मदर ज्यादा जबकि मृत्यु दर में कमी

→ जनसंख्या का धीरे-धीरे बढ़ना

0

मॉडल उत्तर देखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

6. (a) "समकालीन होने के नाते हम्बोल्ट और रिटर में कुछ समानताएँ मिलना स्वाभाविक है परंतु कुछ महत्त्वपूर्ण असम्मतियाँ भी स्पष्ट होती हैं।" कथन की व्याख्या कीजिये। 15

"Being contemporaries, it is natural to find similarities between Humboldt and Ritter but there are some major disagreements too". Elucidate the statement. 15

हम्बोल्ट और रिटर ने भूगोल के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है तथा भौगोलिक चिंतन के इतिहास में अपनी भूमिका का निर्वहन किया है

हम्बोल्ट ने संपूर्ण विश्व का भ्रमण करके अपनी पुस्तक 'कॉसमॉस' के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। रिटर ने अपनी पुस्तक ~~अ~~ 'अर्ड कुण्डे' के माध्यम से भूगोल के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए है

दोनों भूगोलवेत्ताओं के ~~सम~~समकालिक होने के कारण दोनों में कुछ निम्नलिखित समानताए देखने को मिलती है

(i) दोनों भूगोलवेत्ताओं का मानना था कि

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भौगोलिक पर्यावरण का मानव के विकास, चिंतन तथा सभ्यता पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है तथा मानव इसके द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि वे दोनों ही 'निश्चयवाद' के समर्थक थे।

(ii) इसी के साथ उनका ये भी मानना था कि भौतिक भूगोल ही भूगोल का मुख्य अंग है तथा भौतिक परिघटनाओं का ज्यादा महत्त्व है। रिटर का मानना था कि यूरोप में विभिन्न क्षेत्रों में असमान विकास का कारण जलवायु में असमानता का होना है।

परन्तु इसी के साथ उन दोनों के विचारों में अनेक असहमतियां भी देखने को मिलती है जो निम्नलिखित हैं—

(i) हम्बोल्ट मुख्यतः क्रमबद्ध भूगोल (systemetic Geography) का समर्थक था जिन्होंने

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक भौगोलिक तत्व को लेकर विश्व के अनेक ~~क~~ क्षेत्रों का विश्लेषण किया। परन्तु कार्ल रिटर प्रादेशिक भूगोल के समर्थक थे जिन्होंने एक प्रदेश को इकाई मानकर अनेक भौगोलिक तत्वों का विश्लेषण किया।

अन्य प्रमुख अंतरों को भी संक्षेप में बता सकते हैं।

(iii) हम्बोल्ट मुख्य रूप से प्रत्यक्ष प्रेक्षण या प्रभाव के आधार पर भौगोलिक विचार प्रस्तुत करते थे जबकि रिटर केवल सैद्धांतिक अध्ययन या अपने ~~[illegible]~~ मस्तिष्क में सोच के आधार पर अपने विचार व्यक्त करते थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि हम्बोल्ट व कार्ल रिटर के विचारों में अनेक समानताएं एवं अनेक असमानताएं व्याप्त थी।

good

9.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'क्रान्तिक आइसोडापेन' क्या है? वेबर के औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत में इसे किस प्रकार विश्लेषित किया गया है? 20

What is 'Critical Isodapane'? How it has been analysed in Weber's theory of industrial location? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अल्फ्रेड वेबर ने वर्ष 1909 में औद्योगिक अवस्थिति का सिद्धांत प्रतिपादित किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि उद्योग वहां पर स्थापित किए जाते हैं जहां पर परिवहन की लागत न्यूनतम हो।

इसी प्रकार उन्होंने समान परिवहन लागत वाले बिन्दुओं को जोड़कर रेखाओं का निर्माण किया जिसे आइसोडापेन की संज्ञा दी गई।

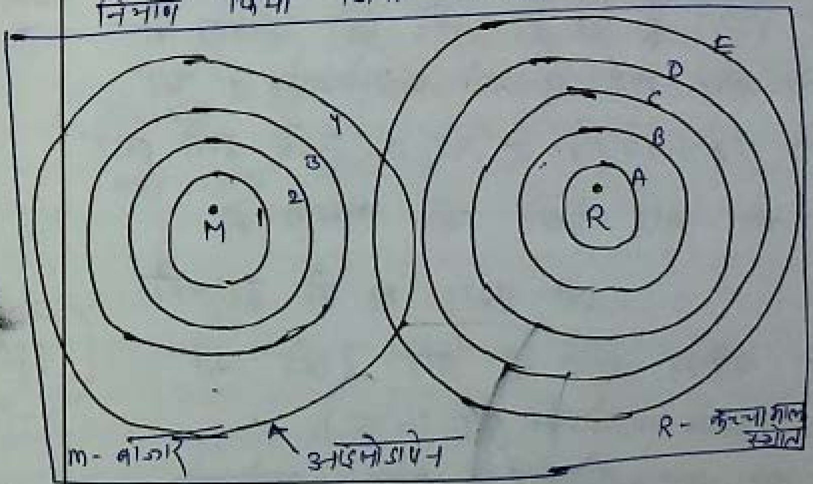

वेबर ने श्रम के सामूहिकरण का लाभ प्राप्त करने के लिए उद्योग को कच्चे माल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के स्रोत या बाजार ~~का~~ के स्थान पर स्थापित करने के ~~[illegible]~~ स्थान पर वहां स्थापित करने का सुझाव दिया जहां पर श्रम की लागत सस्ती हो।

इसलिए उन्होंने ऐसी आइसोडापेन रेखा का चयन किया जहां परिवहन की कुल अतिरिक्त लागत श्रम की लागत में बचत से बराबर या कम हो। इस रेखा को 'क्रान्तिक आइसोडापेन' की संज्ञा दी गई।

उन्होंने उदाहरण के माध्यम से इसे समझाने का प्रयास किया। ~~जैसे~~

M स्थान पर परिवहन लागत शून्य है परन्तु M से दूर जाने पर परिवहन की लागत में वृद्धि होती है जैसे आइसोडापेन 1 पर 10 रुपये, आइसोडापेन 2 पर 20 रुपये इसी प्रकार आगे भी वृद्धि देखने को मिलती है।

इसी प्रकार R से दूर जाने पर भी परिवहन लागत में वृद्धि देखने को मिलती है (प्रत्येक आइसोडापेन पर 10 रु.)

इस प्रकार आइसोडापेन 4 तथा आइसोडापेन 6 के प्रतिच्छेद स्थानों पर परिवहन की कुल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लागत (40 + 50 = 90 रुपये) होगी। अर्थात यहां उद्योग स्थापित करने पर परिवहन की ~~लागत 90 रुपये ज्यादा आएगी। यदि~~

यदि उस स्थान पर श्रम की लागत में 90 रुपये से ज्यादा की बचत होती है तो उद्योग को उस स्थान पर स्थापित कर दिया जाएगा और वह आइसोडापेन क्रान्तिक आइसोडापेन कहलाती है

इस प्रकार क्रान्तिक आइसोडापेन की संकल्पना को उन्होंने 'उद्योगों के समूहीकरण' का लाभ प्राप्त करने में भी प्रयुक्त किया।

क्रांतिक आइसोडापेन को चित्र के माध्यम से दिखाना बेहतर होगा

good

11

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) जनसंख्या का माल्थसवादी दृष्टिकोण क्या है? नवमाल्थसवादी क्यों और कैसे इसकी पुनर्व्याख्या करते हैं? 15

What is Malthusian approach of population? Why and how Neo-Malthusians re-interpret it? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

रॉबर्ट माल्थस ने अपने शोधपत्र 'द थ्योरी ऑफ ~~पापुले~~ पॉप्युलेशन' के माध्यम से जनसंख्या के बारे में अपने विचार ~~व्य~~ व्यक्त किए हैं।

माल्थस की दो मान्यताए थी.

(i) जीवन निर्वाह के साधनों में साधारण (Arithmetic) वृद्धि होती है जैसे 1, 2, 3, 4 - - - - । जबकि जनसंख्या में गुणात्मक (Geometric) वृद्धि अर्थात 1, 2, 4, 8, 16 - - - ~~8~~ होती है।

(ii) मानव की यौन प्रवृत्ति इसी प्रकार बनी रहेगी।

उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद जनसंख्या ~~में~~ तथा संसाधनों के मध्य अंतराल में इतनी वृद्धि हो जाएगी कि प्रकृति को अपने उपायों जैसे बाढ़, सूखा, महामारी इत्यादि के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण करना पड़ेगा।

माल्थस ने दो प्रकार के नीतियों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का वर्णन किया है.

सकारात्मक निरोध - गर्भपात, गर्भनिरोधकों का प्रयोग।

नकारात्मक निरोध - प्राकृतिक आपदाएं, महामारी इत्यादि

परन्तु अनेक विद्वानों ने निम्नलिखित आधारों पर माल्थस के सिद्धांत की आलोचना की -

(i) संसाधनों में वृद्धि तकनीकी विकास पर निर्भर करती है अर्थात यह सदा गणितीय (Arithmetic) रूप में नहीं होती

(ii) माल्थस ने सकारात्मक निरोधों (गर्भपात इत्यादि) को धर्म के विरुद्ध मानकर नकार दिया है जबकि वर्तमान में जनसंख्या नियंत्रण में इनका अहम योगदान है इत्यादि

इन्हीं आलोचनाओं की प्रतिक्रिया में नवमाल्थसवादियों ने इस सिद्धान्त की पुनर्व्याख्या की है तथा इसमें सुधार करने का प्रयास किया है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किया है।

नवमाल्थसवादियों के सुधार-

(i) इन्होंने संसाधनों की वृद्धि को तकनीकी प्रगति से जोड़ने का प्रयास किया है।

(ii) इन्होंने कृत्रिम गर्भनिरोधकों, गर्भपात इत्यादि को भी स्वीकार किया है।

(iii) इन्होंने बताया कि जनसंख्या को कुशल व उत्पादक बनाकर उसको संसाधन के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है।

10

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) तंत्र विश्लेषण के प्रमुख अभिलक्षण बताते हुए भूगोल विषय में इसके महत्त्व का मूल्यांकन कीजिये। 15

Explaining the salient features of system analysis, evaluate its significance in Geography. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भूगोल में तंत्र विश्लेषण को जीव विज्ञान से ग्रहण किया गया है जिसमें भौगोलिक परिघटनाओं को तंत्र मानकर उनका विश्लेषण करने का प्रयास किया गया।

तंत्र विश्लेषण के प्रमुख अभिलक्षण :

(i) भौगोलिक तंत्र दो प्रकार के होते हैं- (i) खुला तंत्र (ii) बंद तंत्र

(ii) तंत्र विश्लेषण में भौगोलिक तंत्र को अनेक घटकों में विभाजित कर उनके बीच में व्याप्त अंतर्संबन्धों का अध्ययन करने का प्रयास किया जाता है।

(iii) तंत्र विश्लेषण के दौरान भौगोलिक तंत्र में व्याप्त जटिलताओं को सरल करने का प्रयास किया जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) जटिल तंत्र को अनेक सरल तत्वों में या उपतंत्रों में तोड़कर विश्लेषण करने का प्रयास किया जाता है।

(v) जैसे मानव शरीर में श्वसन तंत्र ~~एक~~ एक अलग तंत्र है परन्तु उसका अनेक तंत्रों के साथ अंतर्सम्बन्ध व्याप्त है इसी प्रकार के सिद्धांत का प्रयोग भूगोल में भी किया जाता है।
जैसे खाद्य जाल का विश्लेषण

बाह्य वातावरण से संबंधों को भी बताएं

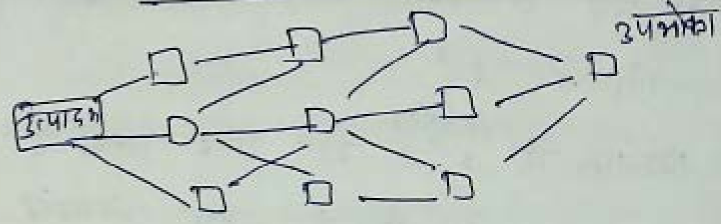

चित्र: खाद्य जाल

तंत्र विश्लेषण के आगमन के पश्चात भूगोल के जटिल सिद्धांतों एवं परिघटनाओं को समझना आसान हो गया है इससे समय एवं

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

धन की बचत होती है। कंप्यूटर के आगमन के पश्चात इन तंत्रों को कंप्यूटर की भाषा में ढालकर आसानी से कम समय में विश्लेषण किया जा सकता है।

इस प्रकार जहां तंत्र विश्लेषण भूगोल विषय को आसान व रोचक बनाया है वहीं एक समस्या यह भी है कि सभी प्राकृतिक परिघटनाओं का सटीक विश्लेषण इन तंत्रों के विश्लेषण से नहीं हो पाता क्योंकि तंत्र विश्लेषण कुछ मान्यताओं पर आधारित होते हैं जो शत प्रतिशत सत्य नहीं होती हैं।

9

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भूगोल में मॉडलों के प्रमुख अभिलक्षणों की चर्चा करते हुए मॉडल्स का सामान्य वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिये। 15

Discuss the main features of models in geography and present a general classification of models. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रारंभ में भूगोल विषय वर्णनात्मक विषय होता था परन्तु मात्रात्मक क्रान्ति के आगमन के पश्चात अनेक मॉडलों का विकास किया गया। वस्तुतः मॉडल किसी भौगोलिक परिघटना या सिद्धांत का सरलीकृत रूप होता है जिसमें अनेक मान्यताओं का सहारा लिया जाता है।

मॉडलों के प्रमुख अभिलक्षण निम्नलिखित होते हैं—

(i) मॉडलों में अनेक मान्यताओं का सहारा लिया जाता है जो वास्तविक धरातल पर हमेशा पूर्णतया सत्य नहीं होती। जैसे वेबर ने अपने औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत में माना है कि प्रदेश विलग (Isolated) होना चाहिए जो पूर्णतया सत्य नहीं होता अर्थात प्रत्येक प्रदेश

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अन्य प्रदेशों के साथ जुड़ा होता है तथा उनके साथ निरंतर अंतक्रिया करता है।

(ii) मॉडल में भौगोलिक जटिलताओं को सरल करके या आदर्शरूप में मानकर समझा जाता है जैसे वॉन थ्यूनेन ने कृषि पेटियों को वृत्ताकार माना है जो पूर्णतया सत्य नहीं है।

(iii) मॉडल में अनावश्यक व कम महत्व वाले तत्वों को छोड़कर केवल मुख्य तत्वों का ही विश्लेषण किया जाता है जैसे गुरुत्वाकर्षण मॉडल में केवल नगरों की जनसंख्या व उनके बीच दूरी को ही प्रवाह के लिए महत्वपूर्ण माना है जबकि प्रवाह के लिए अन्य कारक भी जिम्मेदार होते हैं।

भूगोल विषय में अनेक प्रकार

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है मॉडलों का निर्माण किया गया जिनका सामान्य वर्गीकरण निम्नलिखित हैं—

(i) अर्थशास्त्रीय मॉडल-
↳ वॉन थ्यूनेन का मॉडल
↳ वेबर का मॉडल

(ii) नगरीय विकास के मॉडल-
↳ ग्राइमेर पिरी मॉडल
↳ प्रवास के अनेक मॉडल - Ex. रेवेन्सटीन

(iii) विकास के मॉडल
↳ पेरोक्स व बोडविले का मॉडल
↳ क्रिस्टॉलर व लॉश का मॉडल

(iv) भौगोलिक मॉडल- (Geomorphological model)
↳ डेविस, पेंक, किंग का मॉडल

(v) जलवायु के मॉडल-
↳ कोपेन, ट्रिवार्था, थार्नथ्वेट के मॉडल

= इत्यादि

वर्गीकरण
1) स्केल मॉडल
2) सिमुलेशन मॉडल
3) प्रतीकात्मक मॉडल
4) मानचित्र
5) स्टोकॉस्टिक मॉडल

5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बोडोविले की 'वृद्धि केंद्र' की अवधारणा क्या थी? वर्तमान परिस्थिति में इसे किस प्रकार अधिक प्रासंगिक कहा जा सकता है? विश्लेषण करें। 20

What was 'growth centre' theory of Boudeville? How it may be termed as relevant at present? Analyse. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूगोलवेत्ता पेरोक्स ने वृद्धि ध्रुव का सिद्धांत प्रतिपादित किया था तथा इसी के साथ बोडविले ने 'वृद्धि केन्द्र' का सिद्धांत प्रतिपादित किया था।

बोडविले ने कहा था कि वृद्धि ध्रुव की सहायता के लिए अनेक 'वृद्धि केन्द्र' होते हैं जो विकेन्द्रीकरण का सूचक होते हैं।

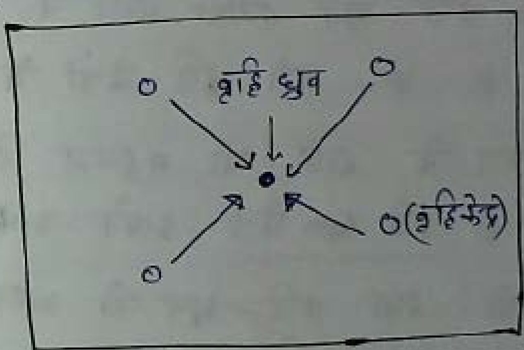

उन्होंने यह भी बताया कि जब वृद्धि ध्रुव पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता है तो वृद्धि केन्द्र उस जनसंख्या का

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समावेशन करके विकास ध्रुव की सहायता करते हैं इसी प्रकार का उदाहरण भारत में राजधानी दिल्ली के आसपास देखा जाता है जब दिल्ली में जनसंख्या व उद्योगों की मात्रा में वृद्धि हुई तो उसके विकेन्द्रीकरण के लिए दिल्ली के आसपास गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा जैसे विकास ध्रुवों का निर्माण हुआ।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि जहां ~~विकास~~ वृद्धि ध्रुव तृतीयक प्रकार के कार्य किए जाते हैं तो वहीं वृद्धि केन्द्रों में द्वितीयक प्रकार के कार्यों की बहुलता देखने को मिलती है। वृद्धि केन्द्र अपने आसपास के क्षेत्रों से तथा वृद्धि ध्रुव से अच्छी तरह से जुड़े होते हैं तथा मध्यवर्ती की भूमिका का निर्वहन करते हैं

Copyright – Drushti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसी के साथ जब वृद्धि ध्रुवों में भूमि का मूल्य बढ़ता है तथा प्रदूषण में वृद्धि होती है तो भी वृद्धि केन्द्रों के निर्माण की प्रवृत्ति देखी जाती है

परन्तु वृद्धि केन्द्रों के निर्माण के लिए एक उपयुक्त नीति एवं कार्ययोजना की अति आवश्यकता होती है जो भविष्योन्मुखी हो ~~तथा~~ क्षेत्र की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती हो।

वर्तमान परिस्थिति में वृद्धि केंद्र की प्रासंगिकता को स्पष्ट रूप में स्थापित कीजिये

8.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(माड्यूल-I)

(भू-आकृति विज्ञान, समुद्र विज्ञान, मानव भूगोल में संदर्श, मॉडल, सिद्धांत एवं नियम और जैव भूगोल)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation